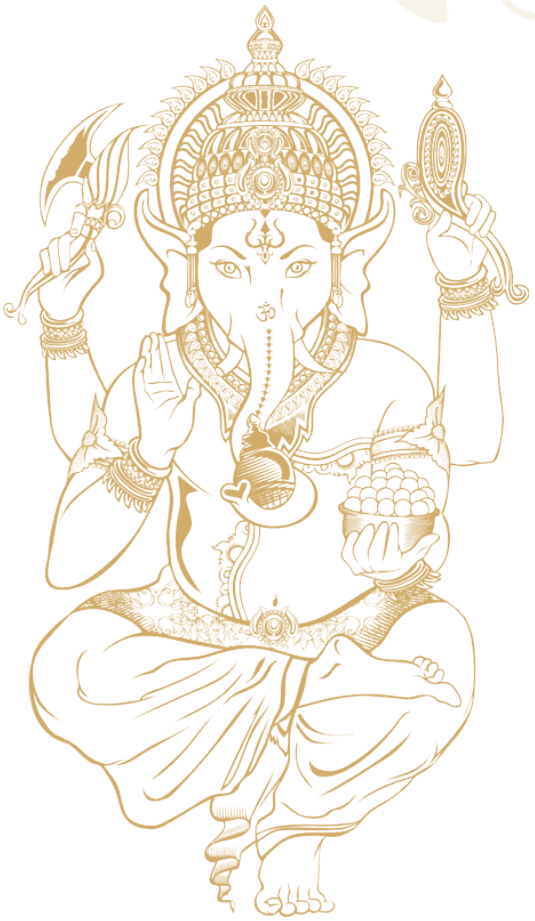

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121890206

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/12/1991	जन्म तिथि	15-16/11/1992
बुधवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 07:35:00	जन्म समय	00:15:00 घंटे
घटी 02:01:13	जन्म समय(घटी)	44:14:08 घटी
India	देश	India
Jhansi	स्थान	Sehore
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	23:12:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व	रेखांश	77:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44	स्थानिक संस्कार	-00:21:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:30	सूर्योदय	06:35:29
17:24:52	सूर्यास्त	17:36:42
23:44:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 11वर्ष 1मा 22दि	27:29:52	वृश्चि	लग्न	सिंह	02:59:48	शनि 12वर्ष 10मा 22दि
बुध	17:39:43	वृश्चि	सूर्य	तुला	29:54:07	केतु
26/01/2022	24:02:42	तुला	चंद्र	कर्क	07:37:05	08/10/2022
26/01/2039	09:48:20	वृश्चि	मंगल	कर्क	02:43:54	08/10/2029
बुध 23/06/2024	27:52:37	वृश्चि व	बुध व	वृश्चि	13:04:29	केतु 07/03/2023
केतु 20/06/2025	19:45:13	सिंह	गुरु	कन्या	13:24:03	शुक्र 06/05/2024
शुक्र 20/04/2028	03:41:16	तुला	शुक्र	धनु	08:56:20	सूर्य 11/09/2024
सूर्य 25/02/2029	09:16:56	मक	शनि	मक	18:50:56	चन्द्र 12/04/2025
चन्द्र 27/07/2030	16:18:35	धनु व	राहु	वृश्चि	27:58:59	मंगल 08/09/2025
मंगल 24/07/2031	16:18:35	मिथु व	केतु	वृष	27:58:59	राहु 26/09/2026
राहु 10/02/2034	18:19:58	धनु	हर्ष	धनु	21:28:20	गुरु 02/09/2027
गुरु 18/05/2036	21:28:09	धनु	नेप	धनु	23:04:11	शनि 11/10/2028
शनि 26/01/2039	27:22:27	तुला	प्लूटो	तुला	29:08:14	बुध 08/10/2029

लग्न-चलित

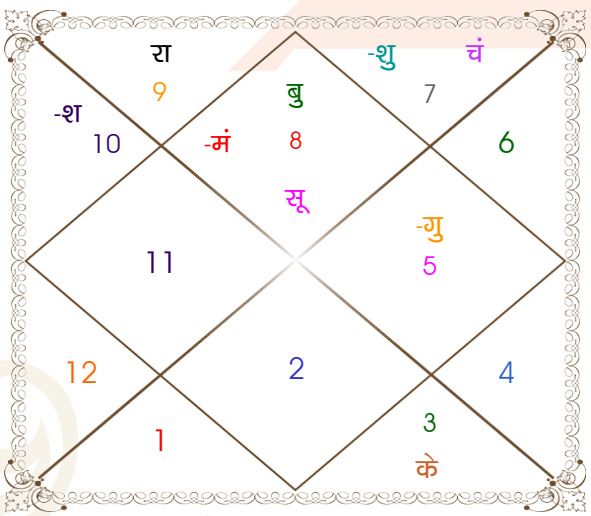

लग्न-चलित

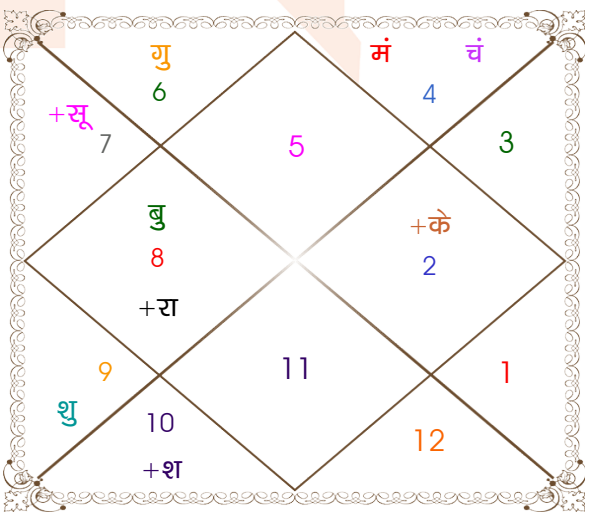

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।